NEP : 2020
के परिप्रेक्ष्य में भारतीय शिक्षा प्रणाली का नवीन युग

Principal
D.P.R.P. BEd College
Aurangabad (Bihar)

सम्पादक
डॉ. आभा सिंह एवं डॉ. दिलीप कुमार सिंह

Scanned with OKEN Scanner

NEP: 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय शिक्षा प्रणाली का नवीन युग

सम्पादक

डॉ. आभा सिंह

एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग

सी.एम..पी. कालेज

(संघटक महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय)

प्रयागराज

एवं

डॉ. दिलीप कुमार सिंह

असिस्टेंट प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग

सी.एम..पी. कालेज

(संघटक महाविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय)

प्रयागराज

प्रकाशक

अमृतब्रह्म प्रकाशन

प्रयागराज

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

ISBN: 978-81-965116-5-4

प्रकाशक
अमृतब्रह्म प्रकाशन
63/59, मोरी, दारागंज
प्रयागराज – 211006 (उ.प्र.)
सम्पर्क +91-9450407739, 8840451764
Email: amritbrahmaprakashan@gmail.com

NEP: 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय शिक्षा प्रणाली का नवीन युग

सम्पादक

डॉ. आभा सिंह एवं **डॉ. दिलीप कुमार सिंह**

© लेखक

प्रथम संस्करण : **2023**

मूल्य : **895/-**

The responsibility for facts stated, opinion expressed or conclusion reached and plagiarism, if any, in this book is entirely that of Author. The publisher/Editors/Editorial Board bears no responsibility for them whatsoever.

मुद्रक
Infinity Imaging Systems
नई दिल्ली

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

Editorial Board

डॉ. संगीता
एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षाशास्त्र विभाग
सी.एम.पी. कालेज
प्रयागराज

डॉ. अवधेश कुमार आर्य
असिस्टेंट प्रोफेसर
दर्शनशास्त्र विभाग
काशी नरेश गवर्मेन्ट, पी.जी. कालेज
भदोही, उत्तर प्रदेश

डॉ. बनजीत शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
दर्शनशास्त्र विभाग
बोंगाईगाँव कालेज
असम

डॉ. मो. साकिब तौफिक
प्राचार्य
अद्वैत मिशन ट्रेनिंग कालेज
मंदार विद्यापीठ
भागलपुर, बिहार

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

विषय-सूची

क्र.सं.	लेखक	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	*डॉ. कान्ति मोहन श्रीवास्तव*	स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति	01
2.	*सपना मौर्या*	नई शिक्षा नीति 2020 में समावेशी शिक्षा: संभावनाएं व चुनौतियां	18
3.	*रफत अनीस*	भारत में उच्च शिक्षा: और चुनौतियां	29
4.	*संगम सिंह*	राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOCs) : अधिगम का एक प्रभावी तरीका	46
5.	*सोहन सिंह*	राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 और नयी तालीम	60
6.	*रमाकान्त यादव*	एन.ई.पी. 2020 में निहित ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा का विश्लेषणात्मक अध्ययन	71
7.	*डॉ0 अदिती गोस्वामी*	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020–नये भारत की शिक्षा	83
8.	*जस्टिन पी. सहाय एवं महविश बानो*	अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थाओं में आईसीटी की पहुंच तथा चुनौतियां: विद्यार्थियों के परिप्रेक्ष्य में	95
9.	*रत्ना सिंह*	समावेशी शिक्षा में आई.सी.टी. की उपादेयता	104
10.	*वैष्णवी शुक्ला*	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आजादी का अमृत महोत्सव	113
11.	*नेहा श्रीवास्तव*	एनईपी 2020 : कोरोना काल में ऑनलाइन शिक्षा	127
12.	*डॉ उमा अरमो*	स्वातंत्र्योत्तर राष्ट्रीय शिक्षा नीति	136

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

NEP: 2020 के परिप्रेक्ष्य में भारतीय शिक्षा प्रणाली का नवीन युग
सम्पादक: डॉ. आभा सिंह एवं डॉ. दिलीप कुमार सिंह
ISBN: 978-81-965116-5-4
संस्करण: 2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और नयी तालीम

सोहन सिंह
शोधछात्र
सी.एम.पी. कॉलेज, शिक्षाशास्त्र विभाग
इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सारांश–राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नई तालीम के प्रमुख पक्षों को सार्थक रूप से प्रस्तुत करती है। यह नीति शिक्षा की गुणवत्ता और सुगमता के साथ शिक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह नीति से छात्रों के संपूर्ण विकास, नवाचार, उच्चतर शैक्षिक दक्षता, और व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने का प्रयास करती है। यह नई नीति स्वतंत्र सोच और रचनात्मकता के गुणों को बढ़ावा देती है जो छात्रों को आने वाले समय के लिए तैयार करेगा। नई शिक्षा नीति 2020 राष्ट्रीय कौशल विकास को महत्व देती है। जो छात्रों को जीविकोपार्जन के लिए महत्वपूर्ण कौशल सीखने, व्यावसायिक सफलता प्राप्त करने में सक्षम बनती है । उन्हें तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के साथ–साथ, कौशल के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने का अवसर देती है। यह मूलभूत शिक्षा से उच्च स्तर तक सीखने की निर्बाध और निरंतर प्रगति की कल्पना करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बच्चे भविष्य की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

मुख्य शब्द– बौद्धिक विकास, आजीविका, बहुमुखी विकास, पॉलिटेक्नीक।

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

प्रस्तावना–

"अक्षर ज्ञान हाथ की शिक्षा के बाद आनी चाहिए।"

महात्मा गाँधी

शिक्षा समाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक विकास का महत्वपूर्ण स्तंभ है। भारत में वैदिक काल से ही बालक को शाब्दिक ज्ञान के साथ–साथ व्यावहारिक ज्ञान भी दिया जाता रहा है। जिससे शिक्षा आत्म मंथन के साथ–साथ जीविकोपार्जन भी करती थी। शिल्प शिक्षा से बालक का शारीरिक, आध्यात्मिक, भौतिक, भावात्मक और बौद्धिक विकास होता। इसके साथ ही बालक हर प्रकार की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूर्णरूप से सक्षम होता था किन्तु कालान्तर में निरन्तर होते विदेशी आक्रमणों ने भारत की शिक्षा व्यवस्था की जड़े हिला दी थी जिसके परिणामस्वरूप भारतीय शिक्षा ने अपना उद्देश्य खो दिया। मध्य काल में जो शिक्षा दी जाती थी वो मुस्लिमों के लिए अथवा सीमित हस्त शिक्षा ब्रिटिश काल में शिक्षा में थोड़ा बहुत सुधार अवश्य हुआ किन्तु यह शिक्षा बाबूगिरी की शिक्षा थी। जिससे न तो बालक का विकास हो रहा था और न ही समाज का। स्वतंत्रता के बाद सरकार शिक्षा के क्षेत्र में निरन्तर सुधार कर रही है। आज की विश्व सामाजिक परिस्थितियों में बदलाव और आवश्यकताओं के कारण, शिक्षा के क्षेत्र में भी एक नई दिशा तथा क्रांतिकारी परिवर्तन की आवश्यकता है। "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020" भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का आदर्श बनाने का प्रयास है जो आधुनिक शिक्षा और तालीम के संपूर्ण दृष्टिकोण को परिवर्तित करने का लक्ष्य रखती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शिक्षकों को महत्वपूर्ण भूमिका प्रदान करने का उद्देश्य रखा है। उन्हें शिक्षा प्रक्रिया में सुधार, अधिकृत शिक्षण संसाधनों की उपलब्धता और नवीनतम शिक्षा तकनीकों के प्रयोग के माध्यम से प्रशिक्षित करेंगें। शिक्षकों के प्रोफेशनल विकास और उनकी मान्यता को बढ़ावा देने के साथ एक अनुशासित शिक्षण परिवेश बनाने का प्रावधान करती है जो

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)
Scanned with OKEN Scanner

छात्रों के अधिक ग्रहण क्षमता, स्वतंत्रता और सोचने की क्षमता को प्रोत्साहित करेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने राष्ट्रीय कौशल विकास को महत्व दिया है। हम छात्रों को जीविकोपार्जन के लिए महत्वपूर्ण कौशल सीखाने का प्रयास करने पर जोर देती है जो उन्हें नौकरी व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए तैयार करेगा। उन्हें तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के साथ–साथ, कौशल के क्षेत्र में विशेषज्ञता विकसित करने का भी अवसर भी प्रदान करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने शैक्षिक संस्थानों की गणना को सरल और पाठ्यक्रम केन्द्रित बनाने का प्रयास करती है।

नई तालीम की आवश्यकता क्यों?

भारत में अनादिकाल से ही शिल्प कला को शिक्षा में महत्व दिया गया है। यह जीवन का अभिन्न अंग एवं आजीविका साधन भी रहा है किन्तु लम्बी अवधि तक विदेशी साम्राज्य के अधीन रहने से भारतीय शिक्षा व्यवस्था खोखला हो गयी। वहीं शिल्प कलाएँ भी लगभग समाप्त कर दी गयी। जिसके परिणामस्वरूप जो शिक्षा भारतीयों को प्राप्त होने लगी। वह बाबूगिरी अथवा उद्देश्यहीन होती इस शिक्षा ने सबसे बड़ी समस्या बालकों में बेरोजगारी, कुण्ठा, तनाव, निराशा आदि को बढ़ा दिया। जिससे आज बेरोजगारी की लम्बी फौज खड़ी है, हर छोटी बात पर आत्महत्या कर लेना अथवा हिंसा पर उतरना आम बात हो गयी है।

नई–तालीम

नई तालीम शैक्षिक प्रक्रिया एक है जो छात्रों को अधिक सक्रिय, रुचि पूर्वक और संप्रेषण क्षमता के साथ शिक्षित करने का प्रयास करती है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों के संपूर्ण विकास, समग्र ज्ञान, सृजनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करना है।

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

नई तालीम का आधार उच्चतर क्रम में शिक्षा देने, प्रयोगशीलता, नवीनता, सहयोग, सम्प्रेषण और संप्रेषण क्षमता को महत्व देने पर रखा गया है। इसमें छात्रों को विचारशीलता, समस्या–समाधान कौशल, सहयोग, स्वतंत्रता, समय–प्रबंधन और नैतिक मूल्यों की प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

नई तालीम की विशेषताएं शिक्षा प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने, छात्रों की रुचियों और स्वार्थों के आधार पर पाठ्यक्रम और शैक्षिक गतिविधियों को तैयार करने, प्रश्नोत्तरी, गतिविधियाँ, गहन अध्ययन और प्रयोगात्मक सीखने को प्राथमिकता देने जैसी हैं। इसमें शिक्षकों की भूमिका मार्गदर्शन करने, संप्रेषण क्षमता का विकास करने और सहायता करने के रूप में महत्वपूर्ण है। अक्टूबर 1937 में वर्धा में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन में महात्मा गाँधी ने अपने शिक्षा सम्बन्धी विचार देश के सम्मुख प्रस्तुत किया। 'बालक के शरीर, आत्मा, मन और मस्तिष्क का बहुमुखी विकास नई शिक्षा की रूपरेखा इस प्रकार थी–

- 6–14 वर्ष तक के बालकों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा।
- शिक्षा का माध्यम मातृभाषा।
- शिक्षा किसी न किसी उद्योग या शिल्प पर आधारित होनी चाहिए।
- शिल्प की शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक विकास नैतिक विकास तथा विज्ञान को भी महत्व दिया जाना चाहिए।

नई तालीम में शिक्षा का केन्द्र शिल्प शिक्षा था और सब विषयों की शिक्षा उसी के माध्यम से दी जाती। गाँधी जी ने नई तालीम में शिल्प शिक्षा के माध्यम से शारीरिक श्रम को महत्त्व दिया। नई तालीम के उद्देश्य–

- बालक में नागरिकता का विकास।
- बालक में संस्कृति का विकास।

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

- बालक में चरित्र का विकास।
- त्रिविध विकास।
- आर्थिक विकास।

नई तालीम में प्रदान की जाने वाली शिल्प शिक्षा

नई तालीम में शिल्प शिक्षा को बौद्धिक विषयों के साथ जोड़कर पढ़ाने पर बल दिया गया है तथा शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होगा। जिससे बालक शिक्षा के साथ–साथ आजीविका कमाने का हुनर भी सीखें।

बौद्धिक विषय– गणित, समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, कला, संगीत, चित्रकला, हिन्दी, गृहविज्ञान, शारीरिक शिक्षा, सामान्य विज्ञान।

शिल्प विषय– कृषि, कताई–बुनाई, लकड़ी का कार्य, मछली पालन, चमड़े का कार्य, मिट्टी का कार्य, फल और शाक उद्यान का कार्य, स्थानीय भौगालिक स्थिति के अनुसार दूसरा कार्य।

स्वतंत्र भारत में शिल्प शिक्षा का विकास

स्वतंत्र भारत में शिल्प शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए देशभर में पॉलिटेक्नीक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और कौशल विकास केन्द्र खोले गये। 1950 में सरकार द्वारा शिल्पकार प्रशिक्षण योजना आरम्भ किया गया। जिसमें 138 ट्रेडों का संचालन पूरे देश के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में किया जाने लगा। इसके बाद शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा को जोड़ने का प्रथम प्रयास कोठारी आयोग ने 1964 में किया। इस आयोग ने सरकार को माध्यमिक शिक्षा के व्यवसायिकरण का सुझाव दिया। जिससे छात्रों को व्यवसाय चुनने एवं व्यवसाय से सम्बन्धित योग्यता प्राप्त करने का अवसर प्रदान हो। व्यावसायिक शिक्षा के नीति निर्धारण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा संयुक्त व्यावसायिक शिक्षा परिषद की स्थापना भी की गयी।

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopa, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

1968 में श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा लागू की गयी। नयी शिक्षा नीति में व्यावसायिक शिक्षा पर बल दिया गया। इस शिक्षा नीति में कृषि शिक्षा, उद्योगों की शिक्षा व अनुसंधान को प्रोत्साहित किया गया।

1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में श्रीमान् राजीव गाँधी ने तत्कालीन और व्यावसायिक शिक्षा को प्रमुख स्थान दिया तथा कम्प्यूटर शिक्षा को लागू किया। यह प्रशंसनीय उपलब्धि थी पर इतना पर्याप्त नहीं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020)– भारत सरकार ने तेजी से बदलते समय को देख अपनी शिक्षा नीति में भी बदलाव कर उसमें कौशल शिक्षा पर बल दिया अथवा कहे महात्मा गाँधी की 'नई तालीम' को साकार करने का प्रयास कियझं

- स्कूली बच्चों को स्थानीय व्यावसायिक विशेषताओं जैसे–माली, कलाकार, बढ़ई, कुम्हार इत्यादि को जानने और समझने के मौके मिलेंगे। छुट्टियों में व्यावसायिक विषय समझने के ऑनलाइन अवसर प्रदान किए जायेगें।
- छोटी उम्र में ही स्थानीय कलाकारों और शिल्पकारों से मिलने के पर्याप्त मौके और सांस्कृतिक तथा पर्यटक महत्त्व के स्थानों के भ्रमण के अवसर प्राप्त होगें।
- वर्तमान समय के लिबरल आर्ट्स कलाओं को समझने का उदार दृष्टिकोण को पुनः शिक्षा में सम्मिलित करने पर बल।
- स्कूली और उच्चतर शिक्षा के द्वारा कम से कम 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को 2025 तक व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव प्रदान किया जायेगा।
- माध्यमिक विद्यालय–आई0टी0आई0, पॉलीटेक्नीक और स्थानीय उद्योगों के साथ सम्पर्क और सहयोग करेंगे। हब और स्पोक मॉडल में कौशल प्रयोगशालाएँ स्कूलों

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

में स्थापित की जाएगी जिसका लाभ अन्य विद्यालय भी ले सकेगें।

- उच्चतर शिक्षण संस्थानों में सॉफ्टसकिल्स के सर्टिफिकेट कोर्स करने की अनुमति होगी।
- राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क को प्रत्येक व्यावसायिक विषय के लिए विस्तारपूर्णक निर्मित किया जायेगा।
- व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण के लिए एक राष्ट्रीय समिति के गठन की सिफारिश की गई है। जिसमें व्यावसायिक शिक्षा के विशेषज्ञ और सभी मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल होगें।
- 'लोक विद्या; यानी भारत में विकसित महत्त्वपूर्ण व्यावसायिक ज्ञान विद्यार्थियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रमों में एकीकरण के माध्यम से सुलभ बनाया जाएगा।
- प्रत्येक उचच शिक्षा संस्थान और यहाँ तक कि हर स्कूल या स्कूल परिसर में कलाकारों का निवास स्थापित करने का प्रयत्न किया जाना चाहिए। जिससे छात्रों का परिचय क्षेत्र/देश की कला, रचनात्मक और समृद्ध संस्कृति से हो।
- एन0एस0डी0सी0 ने स्कूलों में कौशल विकास प्रशिक्षण के कार्यान्वयन मॉडल को 4 वर्षीय (9वीं कक्षा में 1 प्रवेश और 12वीं कक्षा में 1 निकास) से
  - दो–वर्षीय मॉडल (9वीं कक्षा में प्रवेश और 10वीं कक्षा में निकास)
  - 11वीं कक्षा में प्रवेश और 12वीं कक्षा में निकास में पुनः गठित किया। जिसे 21 क्षेत्रों में 73 जॉब रोल्स के तहत कौशल प्रशिक्षण की पेशकश की गई।

भारत सरकार ने 2014 में कौशल विकास के लिए एक समर्पित मंत्रालय–कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय का गठन किया। फिर 2015 में स्किल इंडिया मिशन का शुभारंभ

Principal
D.P.R.P. B.Ed College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

हुआ इसके साथ ही कौशल शिक्षा के विकास में परिवर्तन आया और विस्तारीकरण की दिशा में ठोस उपायों की शृंखला की शुरूआत हुयी। भारत सरकार ने समय–समय पर विभिन्न कौशल नीतियों का भी क्रियान्वयन किया जो इस प्रकार से है–

राष्ट्रीय युवा नीति (2014)– इस नीति में 5 प्रमुख उद्‌देश्यों को प्राथमिकता दी गयी, जो 11 क्षेत्रों से सम्बन्धित थे। रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास उद्यमिता, स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली, खेल, सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देना, सामुदायिक सहभागिता, राजनीति और शासन में भागीदारी, युवा सहभागिता, समावेशन, सामाजिक न्याय।

- एक सफल कार्यबल का गठन करना जो देश की अर्थव्यवस्था की बेहतरी में योगदान दे।
- एक ऐसी भावी पीढ़ी को तैयार करना जो सशक्त हो, स्वस्थ हो और चुनौतियों का सामना कर सके।
- सामाजिक मूल्यों और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाने के लिये सामुदायिक सेवा को प्रोत्साहित करना।
- नागरिकों की सेवा लेना और उनकी भागीदारी को सरल बनाना।
- जोखिम ग्रस्त युवाओं की मदद तथा लाभ से वंचित एवं सीमांत युवाओं के लिए समतामूलक अवसर सुनिश्चित करना।

मेन इन इंडिया (2014)– इसका उद्‌देश्य रोज़गार के अवसरों को बढ़ाना तथा जो निर्माता हमारे देश में निर्माण के लिए तैयार हैं उनके बौद्धिक सम्पदा अधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाये। इसके उद्‌देश्य इस प्रकार हैं–

- रोज़गार के अवसर मुहैया करवाना।
- आयात को कम करने, निर्यात को बढ़ाने और वस्तुओं एवं सेवाओं को देश में ही बनाने की सरकार की मुहिम को बढ़ावा देना।

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

- उद्यमिता को बढ़ावा देना।
- भारत को एक विनिर्माण हब के रूप में विकसित करना। देश के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करना।
- ऑनलाइन रिटर्न भरना।
- अधिक से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त करना।
- व्यवसाय में पारदर्शिता को अपनाना।
- लाइसेंसिग नियमों में सुधार।
- सरकारी और निजी भागीदारी को नयी दिशा देना।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (2015)– इस कार्यक्रम का उद्देश्य बेरोजगारी को समाप्त करने के लिए किया गया अर्थात् कम पढ़े–लिखे किसी कारणवश पढ़ाई बीच में छोड़ने वाले युवाओं को रोज़गार देना था–

- युवाओं को उद्योग से जुड़ा कौशल प्रशिक्षण देना।
- प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए युवाओं से कोई शुल्क नहीं लिया जाता।
- प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को सरकार से 5–10 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि प्राप्त होना।
- कौशल प्रशिक्षण अवधि 3 महीने, 6 महीने और 1 वर्ष जिसके बाद प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता तो पूरे देश में मान्य।

डिजिटल इंडिया (2015)– इसका उद्देश्य देश को डिजिटल तौर पर सशकत बनाना जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, अस्पताल, सरकारी सेवाओं को इंटरनेट से जोड़ना।

- तेज स्पीड वाले ब्रॉडबैंड सेवाओं से शहर एवं गाँवों को जोड़ना।
- डिजिटल जानकारी को बढ़ाना।
- जीवन में मृत्यु तक डिजिटल पहचान के कार्य।
- मोबाइल फोन से बैंक खाता कनेक्ट।

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

- सुरक्षित साइबर स्पेस की उपलब्धता।
- कॉमन सर्विस सेंटर की शुरूआत।

स्टार्टअप इंडिया (2016)– सिलिकन वैली की तर्ज पर आरम्भ किया गया यह कार्यक्रम।

- छोटे उद्योगों और व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें सरल नियमों के तहत ऋण प्रदान करने की सुविधा।
- इस कार्यक्रम से छोटे शहरों और गाँवों को जोड़ना।
- इस कार्यक्रम के अन्तर्गत व्यापारियों द्वारा कमाए जाने वाले लाभ पर पहले तीन वर्ष आयकर में छूट।
- नए उद्योगों के लिए उदार पेटेंट व्यवस्था भी सरकार द्वारा किया गया। पेटेंट पंजीकरण में 80 प्रतिशत तक की छूट दी जाती है।
- दिवालिया कानून में स्टार्टअप उद्योगों को कारोबार बंद करने के लिए सरल निर्गत विकल्प देने का प्रावधान किया गया है। (90 दिन की अवधि में कारोबार बंद)
- महिलाओं के लिए विशेष व्यवस्था भी की गई है।

निष्कर्ष

'नई दुनिया के निर्माण के लिए शिक्षा भी नए प्रकार की होनी चाहिए।– गाँधी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020, 21वीं सदी के भारत की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बनायी गयी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 गाँधी जी द्वारा प्रस्तावित शिक्षा सम्बन्धी विचारों का प्रतिबिम्ब है। स्वततंत्रता के बाद से विकास के लिए सरकार द्वारा निरन्तर प्रयास भी किया गया।

नयी तालीम में महात्मा गाँधी द्वारा मातृभाषा में शिक्षा देने की बात कही गयी वहीं राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 भी मातृभाषा में शिक्षा की बात कहता है। नयी तालीम शिल्प आधारित शिक्षा की बात करता है और राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 भी क्राफ्ट

Principal
D.P.R.P. B.Ed. College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

आधारित शिक्षा एवं व्यावसायिक शिक्षा पर बल देता है तथा स्थानीय सहित अन्य क्राफ्ट आधारित शिक्षा एवं प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम का अंग बनाया है। जिससे विद्यार्थियों को सैद्धान्तिक की अपेक्षा प्रयोगात्मक शिक्षा से सीखने का अवसर प्राप्त होगा।

संदर्भ सूची

- गाँधी जी, 1960, 'मेरे सपनों का भारत अहमदाबाद'।
- विजन कुमार पाण्डेय, 2021 दिसम्बर, 'कौशल विकास से होगा भारत आत्मनिर्भर', नई दिल्ली, कुरुक्षेत्र।
- डॉ0 हरेन्द्र राज गौतम, 2021 दिसम्बर, 'नवचार और कौशल को बढ़ावा, नई दिल्ली, कुरुक्षेत्र।
- विजय प्रकाश श्रीवास्तव, 2021 दिसम्बर, 'कौशल विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी', नई दिल्ली, कुरुक्षेत्र।
- डॉ0 के0 राजेश्वर राव, पीयूष प्रकाश, 2021 दिसम्बर, 'भविष्य के लिए कौशल विकास', नई दिल्ली, कुरुक्षेत्र।
- डॉ0 रहीस सिंह, 2016 अगस्त, 'ग्रामीण युवाओं में उद्यमिता की संभावनाएँ', नई दिल्ली, कुरुक्षेत्र।
- ललन कुमार महतो, 2016, अगस्त, 'युवाओं को नई शिक्षा देता स्किल इंडिया', नई दिल्ली, कुरुक्षेत्र।
- डॉ0 श्रद्धा वशिष्ठ, 2021 फरवरी, 'सशक्त युवा, सशक्त राष्ट्र', नई दिल्ली, कुरुक्षेत्र।
- https://sarkariguider.in

□□□

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

Scanned with OKEN Scanner

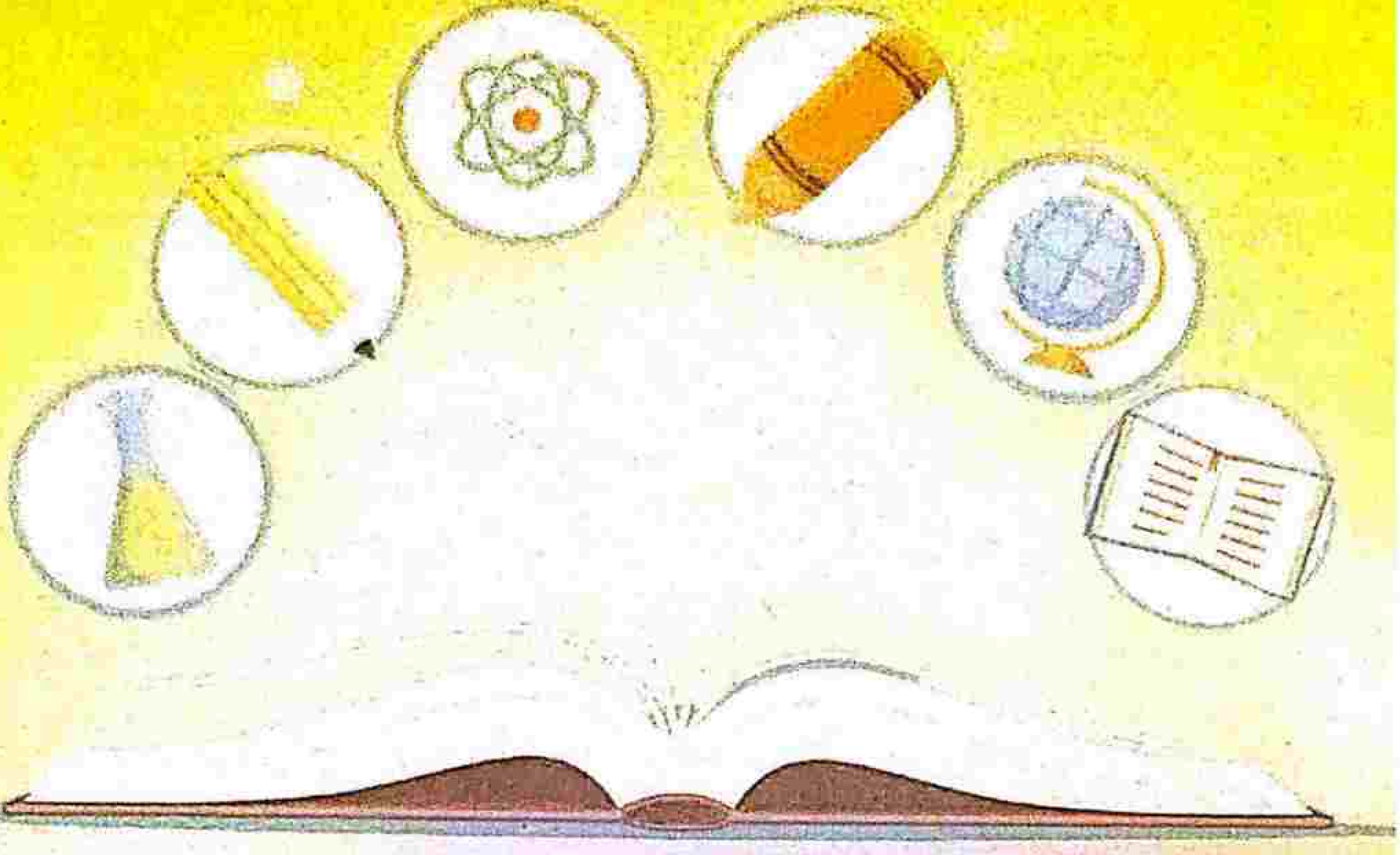

Principal
D.P.R.P. BEd College
Chitragopi, Aurangabad (Bihar)

अमृतब्रह्म प्रकाशन
Amritbrahma Prakashan
प्रयागराज

Amritbrahma Prakashan

63/59, Mori, Daraganj
Prayagraj – 211006 (U.P.)
Contact +91-9450407739, 8840451764
Email: amritbrahmaprakashan@gmail.com

ISBN 819651165-5
9 788196 511654